# फिलिप्पियन क पत्र

1 ईसू मसीह क सेवक पौलुस अउर तीमुथियुस कइँती
स मसीह ईसू मँ स्थित फिलिप्पी क रहइवाले बुजुर्गन
संत जनन क नाउँ जउन उहाँ निरीच्छकन अउर कलीसिया
क सेवकन क साथे निवास करत थीं:

2हमार परमपिता परमेस्सर अउर हमार पर्भू ईसू
मसीह कइँती स तू पचन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

### पौलुस क पराथना

3मइँ जब-जब तू पचन क याद करत हउँ, तब-तब
परमेस्सर क धन्यबाद दत हउँ। 4अपने हर पराथना मँ
मइँ हमेसा खुशी क साथे तोहरे बरे पराथना करत हउँ।
5काहेकि पहिले ही दिना स आज तलक तू सुसमाचार क
प्रचार मँ मोर सहयोगी रह्या ह। 6मोका इ बात क पूरा
भरोसा बाटइ कि उ परमेस्सर जे तोहरे बीच मँ अइसेन
अच्छा काम सुरु किहे अहइ, उहइ ओका उहइ दिना
तक बनाए रखी, जब ईसू मसीह फिन आइके ओका पूरा
करी। 7तू सब क बारे मँ मोरे बरे अइसेन सोचब ठीकही
बा। काहेकि तू सब मोरे मने मँ बसा भवा अहा। अउर न
केवल तब जब तक मइँ जेल मँ हउँ, बल्कि तब भी जब
मइँ सुसमाचार क सत्य क रच्छा करत भए, ओकरे
प्रतिस्ठा मँ लगा रहेउँ, तू सभे एँह अनुग्रह मँ मोर सहभागी
रह्या ह। 8परमेस्सर मोर साछी अहइ कि मइँ मसीह ईसू
द्वारा परगट पिरेम स मइँ तू सभन क बरे केतना
बियाकुल रहत हउँ।

9मइँ इहइ पराथना करत रहत हउँ:

पिरेम हमेसा बढ़इ तोहार साथे गियान क,
गहन दिस्टि क।
10 पाइके इ गुन, भला-बुरा मँ भेद कइके,
अपनाइ लेब्या हमेसा भले क। अउर एह
तरह बन जाब्या तू सुद्ध अकलुस ओह दिना
क जब मसीह आइ।
11 धारमिकता क फल स ईसू मसीह स मिलत
ही परिपूर्ण होत जा जेहसे परमेस्सर क महिमा
अउर स्तुति होत रहय।

### पौलुस क विपत्तियन पर्भू क काम मँ सहायक

12भाइयो, मइँ तू सबन का जनाइ देइ चाहित हउँ कि
मोरे साथे जउन कछू भवा बा, ओसे सुसमाचार क
बढ़ावा ही मिला बाटइ। 13परिणामसरूप स संसार क पूरी
रच्छा दल अउर अन्य दुसरे सबहिं लोगन क इ पता चलि
गवा बा कि मोका मसीह क बिसवासी होई क कारण ही
बन्दी बनावा गवा बाटइ। 14एकरे अलावा पर्भू मँ स्थित
ज्यादातर भाई मोर बन्दी होइके कारण उत्साह स भरा
भवा अहइँ। अउर बहुत जियादा साहस क साथ सुसमाचार
क निडरता पूर्वक सुनावत अहइँ।

15इ सच अहइ कि ओहमाँ स कछू इरसा अउर बैर
क कारण मसीह क उपदेस देत हीं परन्तु दुसरे जने
सद्भावना स प्रेरितन होइके मसीह क उपदेस देत हीं।
16ये सब जने पिरेम क कारण अइसेन करत हीं काहेकि
इ जानत हीं कि परमेस्सर सुसमाचारे क बचाउ करइ
बरे ही मोका इहाँ रखे अहइ। 17परन्तु कछू अउर जने त
सचाई क साथे नाहीं, बल्कि सुवारथ स भरी इच्छा स
मसीह क प्रचार करत हीं काहेकि उ सोचित हीं कि
एहसे उ पचे बन्दी-घरे मँ मोरे बरे कस्ट पइदा कइ
सकिहीं।

18परन्तु ऐहसे कउनउ फरक नाहीं पड़त। जरुरी तउ
इ बा कि एक ढंग स या दुसरे ढंग स, चाहे बुरा उद्देस्य
होइ, चाहे भला प्रचार तउ मसीह क ही होत ह अउर
ऐहसे मोका आनन्द मिलत ह अउर आनन्द मिलतइ
रही। 19काहेकि मइँ जानत हउँ कि तू पचन पराथना क
द्वारा अउर ओह सहायता स जउन ईसू मसीह क आतिमा
स मिलत ह, परिणाम मँ मोका छुटकारा ही मिली। 20मोर
तेज इच्छा अउर आसा इहइ बा अउर मोका इ बिसवास
बा कि मइँ कउनो बाते स निरास नाहीं होब बल्कि सब
तरह स निउर होइके जइसे मोरे सरीर स मसीह क
महिमा हमेसा होत रही, वइसेन आगेउ होत रही; चाहे मइँ
जिअउँ अउर चाहे मरि जाउँ। 21काहेकि मोरे जीवन क
मतलब अहइ मसीह अउर मउत क मतलब अहइ एक
प्राप्ति। 22मुला अगर मइँ अपने एह सरीर स जिन्दइ रहउँ
तउ एकर मतलब इ होइ कि मइँ अपने कर्मे क परिणामे
क आनन्द लेउँ। तउन मइँ नाहीं जानित हउँ कि मइँ का
चुनउँ। 23दुन्नउ विकल्पे क बीच चुनाव मँ मोका कठिनाई
होत बा। मइँ अपने जीवन स विदा होइके मसीह क पास
जाइ चाहित ह काहेकि उ अधिक अच्छा होइ। 24दूसरी
तरफ परन्तु एह सरीर क साथे ही मोर इहाँ रहब तोहरे
बरे अधिक जरुरी बा। 25अउर काहेकि इ मइँ निस्चय
क साथे जानित हउँ कि मइँ इही रहबइ अउर तू सभन

क आध्यात्मिक उन्नति अउर बिसवास स पइदा भवा आनन्द बरे तोहरे साथे रहतइ रहब। 26ताकि तोहरे लगे मोरे लउटी आवई क परिणाम सहित तू पचन क मसीह ईसू मँ स्थित मोहे प गरब करइ क अउर अधिक आधार मिलि जाई।

27परन्तु हर तरह स अइसा करा कि तू सबन आचरण मसीह क सुसमाचार क अनुकूल रहइ। जेहसे चाहे मइँ तोहरे लगे आइके तू सबन क देखउँ अउर चाहे तू सबन स दूर रहउँ, तू सबन क बारे मँ इहइ सुनउँ कि तू पचे एक्कई आतिमा मँ मजबूती स टिका ह्वा अउर सुसमाचार स पइदा बिसवासे क बरे एक जुट होइके संघर्ष करत रहा। 28अउर मइँ इहउ सुनई चाहित हउँ कि तू पचे अपने विरोधियन स कउनउ तरह स नाहीं डेरात अहा। तू सबन क इ साहस ओनके विनाश क प्रमाण अहइ। तू पचन क मुक्ति का संकेत अहइ जउन स्वयं परमेस्सर कइँती स अइसा ही कीन्ह जाई। 29काहेकि मसीह कइँती स तू पचन क न केवल ओहमे बिसवास करइ क बल्कि ओकरे बरे यातना झेलइ क बिसेष अधिकार दीन्ह गवा बा। 30तू पचे जानत अहा कि तू उही संघर्ष मँ जुटा अहा जेहमे मइँ जुटा रहेउँ अउर जइसेन कि तू सुनत अहा आज तलक मइँ ऊहीं मँ लगा रहउँ।

## एक होइके एक दुसरे क धियान रखा

2 फिन तू लोगन मँ अगर मसीह मँ कउनउ उत्साह बा, पिरेम स पैदा भई कउनउ धीरज बा, अगर आतिमा मँ केउ भागेदारी क, सिनेह क भावना अउर सहानुभूति बा 2तउ मोका पूरी तरह स खुस करा। मइँ चाहत हउँ, तू पचे एक तरह स सोचा, परस्पर एक जइसा पिरेम करा, आतिमा मँ एका रखा अउर एक जइसेन लच्छ रखा। 3ईर्सा अउर मिथ्या अभिमान स कछू न करा। बल्कि नरम बना अउर दुसरेउ क अपने स उत्तिम समझा। 4तोहमे स हर एक्के चाही कि केवल अपनई नाहीं, बल्कि दुसरेउ क हिते क धियान रखइ।

## ईसू स निस्वारथ होइ सीखा

5आपन चिंतन ठीक वइसा ही रखा जइसे मसीह ईसू क रहा। 6जउन परमेस्सर क सरूप मँ होत भए भी उ परमेस्सर क साथे अपने ऍह बराबरी का अधिकार की वस्तु न समझेस।

7बल्कि उ तउ आपन सब कछू तियागके एक सेवक क रूप ग्रहण कइ लिहेस अउर मनई क समान बनि गवा। अउर जब उ अपने बाहरी रूप मँ मनई जइसेन बनि गवा। 8त उ अपने आप क नवाइ लिहेस अउर परमेस्सर का ऍतना आज्ञाकारी बन गवा कि आपन प्राण तक न्योछोवर कइ दिहेस अउर उहउ क्रूस पर।

9इही बरे परमेस्सर भी ओका ऊँचा स ऊँचा स्थान पर उठाएस अउर ओका उ नाम दिहेस जउन सब नामन स ऊप्पर बा 10ताकि सब केऊ जब ईसू क नाउँ क उच्चारण होत सुनइ, तउ नीचे निहुरि जाइ। चाहे उ सरगे क होइ, धरती पइ क होइ अउर चाहे धरती क नीचे क होइ। 11अउर सब जीभ परमपिता परमेस्सर क महिमा बरे मंजूर करइ कि "ईसू मसीह ही पर्भू अहइ।"

## परमेस्सर क इच्छा क अनुसार बना

12एह बरे मोर पिआरे दोस्तो, तू पचे मोरे निर्देशन क जइसेन ओह समइ पालन किहा करत रह्या जब मइँ तू पचन क साथे रहेउँ, अब जब कि मइँ तू पचन क साथे नाहीं हउँ तब तू अउर अधिक लगन स ओकर पालन करा। परमेस्सर बरे पूरा आदर एवं भय क साथे अपने उद्धार क पूरा करइ बरे तू सभे काम करत जा। 13काहेकि उ परमेस्सर ही अहइ जउन उ कामना क इच्छा अउर ओन्हे पूरा करइ क करम, जउन परमेस्सर क भावत ह, तोहमें पइदा करत ह।

14बिना कउनउ सिकायत या लड़ाई-झगड़ा किहे सब काम करत रहा 15ताकि तू भोले-भोले अउर पवित्तर बनि जा। अउर इ कुटिल अउर पथभ्रस्ट पीढ़ी क लोगन क बीच परमेस्सर क निहकंलक बालक बनि जा। ओनके बीच अँधियारी दुनिया मँ तू पचे ओह समइ तारा बनिके चमका 16जब तू ओनका जीवनदायी उपदेस सुनावत ह। तू अइसा ही करत रहा ताकि मसीह क फिन स लउटइ क दिन मइँ इ देखिके कि मोरे जीवन क भाग दौड़ बेकार नाहीं भइ। तू पचन गरब कइ सकी।

17तोहार सबन क बिसवास परमेस्सर क सेवा मँ एक बलि क रूप मँ बा अउर अगर मोर लहू तोहरे बलि प दाखरस क समान उँड़ेल दीहा भी जाइ तउ मोका खुसी अहइ। तोहरे सबन क खुसी मँ हमरउ सहभाग बा। 18उही तरह तूहउ खुस रहा अउर मोरे साथे आनन्द मनावा।

## तीमुथियुस अउर इपफ्रुदीतुस

19पर्भू ईसू क सहायता स मोका तीमुथियुस क तू लोगन क लगे जल्दी भेज देइ क आसा बा ताकि तोहरे समाचारन स मोर भी उत्साह बढ़ सकइ। 20काहेकि मोरे पास दुसर कउनउ तीमुथियुस अइसा मनई नाहीं बा जेकर भावना मोरी जइसी होइ अउर जउन तोहरे कल्यान क बरे सच्चे मने स चिंतित होइ। 21काहेकि अउर सभन अपने अपने कामन मँ लगा बाटेन। ईसू मसीह क कामन मँ केऊ नाहीं लाग बा। 22तू पचे ओकरे चरित्र क जानत अहा कि सुसमाचार क प्रचार मँ मोरे साथ उ वइसे ही सेवा क किहे अहइ, जइसे एक बेटवा अपने बापे क साथे करत रहत ह। 23तउ मोका जइसेन इ पता चली कि मोरे साथे का कछू होइ जात बा। मइँ ओका तू सबन क लगे भेज देइ क आसा रखत अहउँ। 24अउर मोर बिसवास बा कि पर्भू क सहायता स मइँ भी जल्दी ही

अउबइ। [25]मइँ इ जरूरी समझत हउँ कि इपफ्रुदीतुस क तोहरे लगे पठवउँ, जउन मोर भाई अहइ, अउर साथ ही काम करइवाला बा अउर सहयोगी कर्म-वीर अहइ अउर मोका जरूरत पड़इ पइ मोर सहायता बरे तोहार प्रतिनिधि रहा, [26]काहेकि उ तोहे सबन क बरे बियाकुल रहा करत रहा अउर ऍहसे बहुत खिन्न रहा कि तू इ सुने रह्या कि उ बेमार पड़ि गवा रहा। [27]हाँ, उ बेमार तउ रहा अउर उहउ ऍतना कि जइसे मरि ही जाई। परन्तु परमेस्सर ओह पर अनुग्रह किहेस (न सिरिफ ओह पइ बल्कि मोहे प भी) ताकि मोका दुखे पर दुख न मिलइ। [28]इही बरे मइँ ओका अउर उ लगन स पठवत हउँ ताकि जब तू ओका देखा तउ एक बार फिन खुस होइ जा अउर तोहरे बारे मँ चिन्ता करब छोड़ देउँ। [29]इही बरे पर्भू मँ बड़ी खुसी क साथे ओकर सुवागत करा अउर अइसेन लोगन क जियादा स जियादा आदर करत रहा। [30]काहेकि मसीह क काम क बरे उ लगभग मरि गवा रहा ताकि तोहरे द्वारा कीन्ह गइ मोर सेवा मँ जउन कमी रहि गइ रही, ओका उ पूरा कइ देइ, एकरे बरे उ अपने प्राण क बाजी लगाइ दिहेस।

### मसीह सब क उप्पर बा

3 एह बरे स, मोरे भाइयो, तया बाहिनियो, पर्भू मँ आनन्द मनावत रहा। तू सबन क सच सच ओनही बातन क लिखत रहइ स मोका फिन कउनउ कस्ट नाहीं अहइ अउर तोहरे बरे तउ इ तैयार होइ क मदद करी। [2]एन्हन कुकुरन स सावधान रहा जउन कुकर्मन मँ लगा अहइँ। उ पचे बधिया कइ देइ चाहत हीं। [3]काहेकि सच्चा खतनावाला मनई तउ हम अही जउन अपने आराधना क परमेस्सर क आतिमा द्वारा अरपण करत अही। अउर मसीह ईसू पर हम होइ बरे गरब करत अही अउर जउन कछू सरीरीक बा, ओह प हम भरोसा नाहीं करत अही। [4]जद्यपि मइँ खुद जउन कछू सरीरीक बा, ओह पइ मइँ भरोसा नाहीं कइ सकत रहउँ। मुला अगर केऊ अउर अइसेन सोचइ कि ओकरे लगे सरीरी पर बिसवास करइ बरे बा तउ मोरे लगे तउ उ अउर जियादा बा। [5]जब मइँ आठ दिना क रहेउँ, मोर खतना कइ दीन्ह गवा रहा। मइँ इब्राएली हउँ। मइँ बिन्यामीन क वंस क हउँ। मइँ इब्रानी माता-पिता स पइदा भवा एक इब्रानी हउँ। जहाँ तक व्यवस्था क विधान तलक मोरे पहुँच क प्रस्न बा, मइँ फरीसी हउँ। [6]जहाँ तलक मोरी निस्ठा क प्रस्न बा, मइँ कलीसिया क बहुत सताये रहउँ। जहाँ तलक ओह धार्मिकता क सवाल बा जेका व्यवस्था क विधान सिखावत ह, मइँ निर्दोख रहेउँ। [7]परन्तु तब जउन मोर लाभ रहा, आज उही क मसीह क बरे मइँ आपन हानि समझत अहउँ। [8]इहूउँ स बड़ी बात इ बा कि मइँ अपने पर्भू मसीह ईसू क गियान क स्रेष्ठता क कारण आज तलक सब कछू क हीन समझत रहेउँ। उही बरे मइँ सब कछू तियाग कइ दिहेउँ अउर मइँ सब कछू क घिना क परन्तु समझइ लाग हउँ ताकि मसीह क पाई सकउँ [9]अउर ऊही मँ पावा जाइ सकउँ - मोर उ धरम भाव क कारण नाहीं जउन व्यवस्था क विधान पर टिकी रही, बल्कि ओह धरम भाव क कारण जउन मसीह मँ बिसवासे क कारण मिलत ह। जउन परमेस्सर स मिली बा ओकर आधार बिसवास अहइ। [10]मइँ मसीह क जानइ चाहत हउँ अउर ओह सक्ती क अनुभव करइ चाहत हउँ जेसे ओका पुन: जागरण भवा रहा। मइँ ओकरी यातनन क सहभागी होइ चाहत हउँ। अउर उही रूपे क पाइ लेइ चाहत हउँ जेका उ आपन मउत क द्वारा पाए रहा। [11]एह आसा क साथे कि मइँ भी इही तरह मरा हुआ मँ स उठि क फिन स जी पावउँ।

### लच्छ पर पहुँचइ क प्रयास करत रहा

[12]अइसेन नाहीं अहइ कि मोका आपन प्राप्ति होइ चुकी बा अउर मइँ पूरा सिद्ध बन चुका हउँ। परन्तु मइँ उपलब्धि क पाइ लेइ क बरे बराबर प्रयास करत रहत हउँ जेकरे बरे मसीह ईसू मोका आपन बँधुआ बनाए रहा। [13]भाइयो, तथा बहिनियो, मइँ इ नाहीं सोचित हउँ कि मइँ ओका पाई चुका हउँ। पर बात इ अहइ कि बीती क बिसराइ द्या, जउन मोरे सामने बा, ओह लच्छ तलक पहुँचइ बरे मइँ संघर्ष करत रहउँ। [14]मइँ ओह लच्छ क बरे हमेसा प्रयास करत रहउँ कि मइँ अपने ओह इनामें क जीत लेउँ, जेका मसीह ईसू मँ पावई क बरे परमेस्सर तउ मोका उप्पर बोलाए अहइ।

[15]ताकि ओन्हन लोगन क, जउन हमरे मँ पूर्ण मनई बन चुका बाटेन, मन का स्वरूप अइसेन रहइ। परन्तु अगर तू कीहीउ बात क कउनउ अउर ढंग स सोचत ह तउ तोहरे बरे ओकर जाहिर करइके परमेस्सर कइ देई। [16]जउन सच्चाई तक हम पहुँच चुका अही, हमका उही पे चलत रहइ चाही।

[17]भाइयो, तथा बहिनियो, अउरन क साथे मिलि के मोरे नकल करा जउन उदाहरण हम तोहरे सामने रखे अही, ओकरे अनुसार जउन जिअत हीं, ओह पर धियान द्या। [18]काहेकि अइसेन ही बहुत जने अहइँ जउन मसीह क क्रूस स दुस्मनी रखत जिअत हीं। मइँ तोहका बहुत बार बताए हउँ अउर अब भी मइँ इ बिलखि-बिलखि क कहत हउँ। [19]ओनकर नास ओनकइ नियति अहइ। ओनकर पेट ओनकर भगवान अहइ। अउर जेहपर ओनका लजाई चाही, ओह पर ओ गरब करत हीं। ओनका बस संसारी वस्तुवन क चिन्ता बा। [20]परन्तु हमार जन्मभूमि तउ सरगे मँ बा। ऊही स हम उद्धारकर्ता पर्भू ईसू मसीह क आवइ क बाट जोहत रहित ह। [21]आपन ओह सक्ती क द्वारा जेहसे सब वस्तुवन क उ अपने अधीन कई लेत ह, हमार कमजोर देह क बदल क आपन दिव्य देह जइसेन बनाई देई।

### फिलिप्पियन क पौलुस क निर्देस

4 हे मेरे भाइयो, तथा बहिनियो, मइँ तू सबन स पिरेम करत हउँ, अउर तू सबन क देखइ का तरसत हउँ। तू पचे खुसी अहा, मोर गौरव अहा। तू पचन क जइसे मइँ बताए हउँ, पर्भू मँ तू सबइ वइसेन ही दृढ बना रहा। 2मइँ युओदिया अउर सन्तुखे दुन्नऊ क उत्साहित करत हउँ कि तू पचे पर्भू मँ एक जइसे बिचार बनाए रखा। 3मोरे सच्चा साथी तोहसे सबन स मोर बिनती बा कि इन्हन स्त्रियन क सहायता करा। इ क्लेमेन्स अउर मोरे दुसरे सहकर्मियन सहित सुसमाचार क प्रचार मँ मोरे साथे जुटी रहिन। एनके नाउँ जीवन क किताबें* मँ लिख गवा अहइँ।

4पर्भू मँ हमेसा आनन्द मनावत रहा।

5ऍका मइँ फिन दोहरावत हउँ आनन्द मनावत रहा। तू पचन क सहनसील आतिमा क गियान सब जने क होइ। पर्भू लगे ही बाटइ 6कउनउ बाते क चिन्ता न करा, बल्कि सब परिस्थितियन मँ धन्यबाद सहित पराथना अउर बिनय क साथे आपन याचना परमेस्सर क सामने रखत जा। 7इही स परमेस्सर कइँती स मिलइवाली सान्ति, जउन समझ स परे बा तोहरे हीये अउर तोहरे बुद्धि क मसीह ईसू मँ सुरच्छित बनाए रखी।

8भाइयो, तथा बहिनियो, इन बातन क धियान करा। जउन जरुर सत्य बा, जउन आदर योग्य बा, जउन अच्छा बा, जउन पवित्तर बा, जउन सुन्दर बा, जउन सराहइ योग्य बा या कउनउ अन्य गुन या कउनउ प्रसंसा 9जेका तू मोसे सीखे अहा, पाए अहा या सुने अहा या जेका करत मोका देखे अहा। इन बातन क अभ्यास करत रहा। सांति क सोत परमेस्सर तोहरे साथे रही।

### फिलिप्पि मसीहियन क पौलुस क धन्यवाद

10तू सबइ निस्चय ही मोरे भलाई बरे सोचत रहत ह परन्तु तू पचन क ओका देखावइ क अवसर नाहीं मिला रहा, परन्तु अब आखिरकार तोहमें मोरे बरे फिन स फिकिर जागी बा। एहसे मइँ पर्भू मँ बहुत आनन्दित भवा हउँ। 11कउनउ व्यक्तिगत जरुरत क कारण मइँ इ नाहीं कहत हउँ। काहेकि जइसेन परिस्थिति मँ मइँ रहउँ, मइँ उही मँ सन्तोस करइ सीख लिहे हउँ। 12मइँ अभाव क बीच रहई क रहस्य भी जानत हउँ अउर इहउ जानत हउँ कि सम्पन्नता मँ कइसे रहा जात ह। कइसेउ समइ होइ अउर कइसेउ परिस्थिति, चाहे पेट भरा होइ अउर चाहे भूखा, चाहे पास मँ बहुत कछू होइ अउर चाहे कछू भी न होइ, मइँ ओन सबे मँ सुखी रहइ सीख लिहे हउँ। 13मसीह क जरिये मइँ सब कछू कइ सकत हउँ काहेकि उ मोका सक्ती देत ह। 14कछू भी होइ हमरे कस्टन मँ तू पचे मोरे कामे मँ हाथ बटाई क अच्छा ही किये अहा।

15हे फिलिप्पियन! तू पचे तउ जनतइ अहा, सुसमाचार क प्रचार क ओन्हन सुरु क दिनवा मँ जब मइँ मैसीडोनिया छोड़े रहेउँ, तउ लेन-देन क बारे मँ केवल मात्र तोहर कलीसिया क छोड़िके कउनउ अउर कलीसिया तउ मोर हाथ नाहीं बटाएस। 16मइँ जब थिस्सलुनीके मँ रहेउँ, मोर जरूरत पूरा करइ बरे तू बार-बार मोका सहायता भेजे रह्या। 17अइसेन नाहीं कि मइँ उपहारन क इच्छुक हउँ, बल्कि मइँ तउ इ चाहत हउँ कि तोहरे खाता मँ लाभ जुड़त ही चला जाइ। 18तू पचे इपफ्रुदीतुस क हाथे जउन उपहार मधुर गंध भेट क रूप मँ मोरे लगे भेजे रह्या, उ सबइ एक अइसेन स्वीकार करइ योग्य बलिदान अहइँ जेहसे परमेस्सर खुस होत ह। ओन्हन उपहारन क कारण मोरे लगे मोरे जरुरत स कहूँ ज्यादा होइ गवा बा, मोका पूरी तरह दिहा गवा बा। बल्कि ओहसे भी जियादा भरपूरा दिहा गवा बा। उ चीजन मधुर गंध भेंटे क रूप मँ बाटिन, एक अइसेन स्वीकार करइ योग्य बलिदान जेहसे परमेस्सर खुस होत ह। 19मोरे परमेस्सर भी ईसू क महिमा स बहोत धनवान अहइ। उ अपने उस धने क अनुसार तोहार सभन जरूरतन क पूरा करी। 20हमरे परमेस्सर अउर परमपिता क हमेसा-हमेसा महिमा होत रहइ। आमीन!

21मसीह ईसू क सभन सन्तन क नमस्कार। मोरे साथे जउन भाई अहइँ, तू पचन क नमस्कार करत हीं। 22तू सभन संत अउर खासकर कैसर परिवारे क लोगन नमस्कार करत हीं।

23तोहमँ स हर एक्क पर हमरे पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह तू पचन क आतिमा क साथ रही।

---

**किताब** परमेस्सर क उ किताब जेहमाँ परमेस्सर क चुना भआ सभन संत जनन क नाम लिखा बा।
(प्रकासित 3:5; 21:27)

# License Agreement for Bible Texts

***World Bible Translation Center***
***Last Updated: September 21, 2006***

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

**These Scriptures:**

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

**WBTC's web site –** World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

**Order online –** To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

**Current license agreement –** *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

**Trouble viewing this file –** If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

**Viewing Chinese or Korean PDFs –** To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html